उत्तराखण्ड पर उनका रीऐक्शन क्या है ? इतने सालों से यह मामला चल रहा है।

SHRI AJIT P. K. JOGI: I have no wish to be finished, Madam.

SHRIMATI SUSHMA SWARAJ: We have already finished him with words. Don't finish him.

Re. Police firing on innicent people at Village Mabagam in Srikakulam district, Andhra Pradesh.

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) : महोदया, मैं आपके माध्यम से एक ऐसे मसले और ऐसे बिन्दु पर बोलना चाहता हूं जो मेरे लिए, आपके लिए और इस पूरे सदन के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। महोदया, हमारे इस सदन के एक बड़े सदस्य हैं श्री हनुमंत राव जो आंध्र प्रदेश से आते हैं, वे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, हमारे इस सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं। ये पिछले कई दिनों से, गत 17 तारीख से आमरण अनशन पर श्रीकाकुलम जिले में बैठे हुए हैं। मुझे उनके परिवार वालों की तरफ से, कल और आज खबर दी गयी है कि उनकी हालत बहुत गंभीर है। उन्होंने अन्न और जल का त्याग कर दिया है और बड़ी ही गंभीर अवस्था में श्रीकाकुलम जिले के ग्राम महगांव में वे आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। उन्होंने जो सूचना दी है, उसके अनुसार वे गांव में इसलिए आमरण अनशन पर बैठे हैं, जो सूचना उन्होंने दी है उसके मुताबिक उस गांव में हमेशा शांति का वातावरण रहता था। उस गांव के लोग आपस में मिलकर रहते थे। पिछले दिनों जब वहां पर जिला परिषद ग्राम पंचायतों के चुनाव हुए तो उसके तत्काल बाद बिना किसी कारण से उस गांव में पुलिस ने प्रवेश किया और अंधा-धुंध गोलियां चलायीं। महोदया मैं आपका ध्यान चाहूंगा।

उपसभापति : जी।

श्री अजीत जोगी : महोदया, एक बड़ी ही गंभीर घटना इस माननीय सदस्य के साथ हुई है और वे पिछले कई दिनों से अन्न-जल का त्याग करके बड़ी गंभीर स्थिति में है।

I want the attention of the Chair.

Re. POLICE FIRING ON INNOCENT PEOPLE AT VILLAGE MABAGAM IN SRIKAKULAM DISTRICT ANDHRA PRADESH

श्री अजीत जोगी : यह हम सब के लिए बड़ी चिंता का विषय है। इस पूरे सत्र में वे यहां आ नहीं सके हैं। इतने दिनों से उन्होंने भोजन नहीं लिया है। कोई पानी नहीं लिया। उनके परिवार वालों ने बड़ी गम्भीर चिन्ता व्यक्त की है (**व्यवधान**) कई बार हमें फोन पर खबर आई है। मुझे फोन आया है। हमारे सम्मानित सदस्य श्री सुरेश पचौरी जी को आया है। (**व्यवधान**) सिंगला जी को आया है। इकबाल सिंह जी को आया है (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलवालिया (बिहार) : सरकार इसमें इंटरवीन करे (**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी : उनका यह कहना है कि उस गांव में कभी कोई . . (**व्यवधान**)

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) : अभी अभी सूचना मिली है कि हनुमंत राव जी मूर्छित हो गये हैं (**व्यवधान**) यह और भी गम्भीर बात है (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right.

श्रीमती सुषमा स्वराज (हरियाणा) : हम से क्यों बोल रहे हैं (**व्यवधान**)

श्री एस० एस० अहलुवालिया इसमें सरकार द्वारा कार्यवाही की जाए (**व्यवधान**) सरकार द्वारा एश्योरेंस दिया जाए।

श्री राजेश पायलट : महोदया

श्री सोमपाल (उत्तर प्रदेश) : पायलट जी खड़े हुए है (**व्यवधान**) हाई कोर्ट की बेंच के बारे में एक डेलीगेशन उनसे मिला था (**व्यवधान**)

उपसभापति : नहीं, नही, पायलट जी किसी और बात के लिए खड़े हुए हैं (**व्यवधान**)

I am not allowing him.

श्री अजीत जोगी : पहले सदन के सदस्य की बात तो हो जाए (**व्यवधान**)

श्री एस०एस० अहलुवालिया एक कुलीग बैठा है, उसके लिए बात हो रही है (**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी : हमारे एक सम्मानित सदस्य सदन में नहीं आ सक रहे हैं (**व्यवधान**) आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं (**व्यवधान**)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I heard him. I heard him in the morning also.

श्री सुरेश पचौरी : कोई आंसू गैस का गोला नहीं चलाया गया (**व्यवधान**) कोई हवा में फायरिंग नहीं की गई (**व्यवधान**) लोगों पर सीधे फायरिंग की गई जिससे पांच लोगों की हत्या हो गई, काफी लोग घायल हो गये (**व्यवधान**) हमारे सदन के माननीय सदस्य वहां आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं, उनकी हालत बहुत गम्भीर है। इसकी न्यायायिक जाच करानी चाहिए। केन्द्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। (**व्यवधान**)

उपसभापति : प्लीज़ आप बैठिए।

श्री एस०एस० अहलूवालिया : आदिवासियों की सुरक्षा करना केन्द्रीय सरकार का फर्ज बनता है (**व्यवधान**)

उपसभापति : पायलट जी, आप जरा पता लगाएं कि क्या हुआ है। हमारे राज्य सभा के एम० पी० का मामला है।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI RAJESH PILOT): Madam, I will certainly find out the facts and inform the House.

श्री एस०एस० अहलुवालिया : क्या यह सदन को बताने की कृपा करेंगे ? स्टेटमेंट करेंगे ? (**व्यवधान**)

श्री अजीत जोगी : बहुत बहुत धन्यवाद गृह मंत्री जी।

Re. ONGC CONTRACTS WITH MULTINATIONAL COMPANIES

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, I understand that ONGC under the guidance of the Ministry of Petroleum has recently concluded a number of contracts with foreign multinational companies and joint Indian corporate units, not for exploration but for the development of a number of oilfields which are called 'proven oilfields' and which ONGC has done by spending not less than Rs. 700 crores. I understand that the names of the Companies with which the agreement has been made are Enron and Reliance on one side of the Coast, and on the other side, these firms have been given the responsibility of developing a number of oilfields in the Western sector. Videocon and Command Petroleum, an Australian joint multinational has been given the responsiblity of developing proven oilfields in the eastern sector.

Madam, these oilfields are all proven and ONGC has spent Rs. 700 crores for exploration. The agrument that is being given is that India does not have foreign exchange enough to develop these oilfields. But my information is that the clauses attached to the agreement do not provide for recovery of these Rs. 700 crores that ONGC has spent. It only allows recovery of a nominal amount under the heading 'Signature Bonus'. And